>

Title: Need to honour Khashaba Jadhav, the Olympan Wrestler with Padma Award,

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले): 1942 के " भारत छोड़ो अभियान " में सम्मिलत होने वाले खाशाबा जाधव कोल्हापुर (महाराष्ट्र) के महान रेस्टलर (कुश्ती खिलाड़ी) थे । इन्होंने सन् 1952 में " हेलसिंकी " ऑलम्पिक में कुश्ती स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा । व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को यह पहला मैडल मिला । व्यावसायिकता से यह खेल उस जमाने में कोसों दूर था । फिर भी उन्होंने सेवाभाव से बहुत खिलाड़ी तैयार किये । 1983 में फाय फाउंडेशन ने उनको " जीवन गौरव " पुरस्कार से सम्मानित किया । 1990 में इन्हें मेघनाथ नागेश्वर अवार्ड से (मरणोपरांत) नवाजा गया । वैसे ही शिव छत्रपति पुरस्कार से वे 1993 में (मरणोपरांत) नवाजे गए । वे 1955 में पुलिस में " सब-इंस्पेक्टर " के पद पर नियुक्त किये गये । उन्होंने पुलिस में तकरीबन 27 साल तक सेवा की । आखिर में वे असिस्टेंट -पुलिस कमिश्नर के पद से मुंबई में रिटायर्ड हुए । ऐसे भारत माँ के और मेरे कोल्हापुर (महाराष्ट्र) जिले में महान सपूत जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । इतना ही नहीं पुलिस में भर्ती होकर देश की सेवा की और साथ ही देश को पहला ब्रॉन्ज मैडल हासिल करके भारत का सर विश्व में ऊँचा किया। यह देश के लिए गौरव की बात है । इसलिए मेरी विशेषकर गृहमंत्री जी से पुरजोर विनती है कि खाशाबा जाधव जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी एवं महान रेस्टलर को " पदम अवार्ड " (मरणोपरांत) सम्मानित करने का यह ऐतिहासिक कार्य करें ।